

-----:.... पहली देव गणेश मनावा , सिमरु माई ज्वाला ने :.... -----

मतवाला गुरु मतवाला ये सतामरापुर है वाला ।

पहली देव गणेश मनावा , सिमरु माई ज्वाला ने ।

वाणी बोल अणभे का उपज्या, हृदय में हो रहया उजियाला ॥

इंद्रा घटा ले म्हारा सतगुरु आया, बरसत आया गुरु घनघोरा ।

झीणी झिणी बूँदा गुरुआ झड़ी लगादी, भेय दिया तन मन सारा ॥

ज्ञान बादली गुराजी के घट में, बरस रही चहु दिश धारा ।

वचन वचन में इंद्र ज्यू गरजै, आठ पहर और दिन सारा ॥

गुराजी कि महिमा अमी कि सी बूँदा, बोल गंगा का है धारा ।

सुणनिये का पाप कटे बहुतेरा, काया कंचन तन सारा ॥

सोहनपुरी सुथान का वासा, श्वेत वर्ण रंग है बांका ।

शिखर किले पर ध्वजा फरुकै, वहा रम रया गुरु म्हारा ॥

अमृतनाथ मिल्या गुरु पूरा, खोल्या भरम का अब ताला ।

मधो महिमा गुराजी कि गावै, गाँव घुमाने वाला ॥

जय शंकर की.....

जय श्री नाथजी की